K–203

Total Page No. : 3] **[Roll No. .....**

A5 (I)

B.Ed. (Special Education) IIIrd Semester Examination Dec., 2023

PEDAGOGY OF TEACHING HINDI LANGUAGE

Time : 2 Hours] [**Max. Marks :** 70

नोट :- यह प्रश्न-पत्र सत्तर (70) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। **परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।**

(खण्ड–क)

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न) 2×19=38

नोट :- खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. भाषा के प्रत्यय को स्पष्ट कीजिए। भाषा की प्रकृति को उदाहरण सहित लिखिए।

2. कहानी शिक्षण की उपादेयता को विस्तारपूर्वक लिखिए। प्राथमिक कक्षाओं में कहानी शिक्षण किस प्रकार से अधिगम को स्थाई बनाने में सहायक है ?

3. एक शिक्षक को कक्षा शिक्षण से पूर्व पाठ योजना क्यों तैयार करनी चाहिए ? कक्षा-आठ के विद्यार्थियों हेतु पद्य-शिक्षण की एक पाठ योजना तैयार कीजिए।

4. शिक्षण सहायक सामग्री से क्या अभिप्राय है ? भाषा शिक्षण में आप किस प्रकार की शिक्षण सहायक सामग्री का प्रयोग करेंगे ?

5. शिक्षण कौशल किसे कहते हैं ? भाषा शिक्षण में प्रयुक्त होने वाले किन्ही **दो** कौशलों को उनके घटकों सहित विस्तारपूर्वक लिखिए।

खण्ड–ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न) 4×8=32

नोट :- खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. मौन वाचन एवं सस्वर वाचन में अंतर स्पष्ट कीजिए।

2. भाषा शिक्षण में पाठ्य सहगामी क्रियाओं की उपयोगिता को स्पष्ट कीजिए।

3. श्रवण दोष के क्या कारण हैं ? श्रवण दोष से ग्रसित विद्यार्थियों को आप शिक्षण हेतु किस प्रकार का उपचार करेंगे ?

4. भाषा शिक्षण में सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन आप किस प्रकार से करेंगे ?

5. सूक्ष्म शिक्षण के प्रत्यय को समझाईये। शिक्षण–अधिगम हेतु सूक्ष्म शिक्षण के महत्व को समझाइये।

6. उच्चतर माध्यमिक स्तर पर व्याकरण शिक्षण आप किस प्रकार करेंगे ?

7. कविता शिक्षण की प्रमुख विधियों का संक्षिप्त में उल्लेख कीजिए।

8. अनुवर्ती चिंतन की आवश्यकता और महत्व बताईये।

****